Printed Pages : 7

SJN-54

B.A. (Part-II) Examination, 2021

(New Course)

HINDI LITERATURE

[Paper : Second]

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Passing Marks : 25

(हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विद्याएँ - कोड-0174)

निर्देशः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अंक प्रश्नों के समक्ष अंकित हैं।

इकाई-।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [21]

(क) हमारा ऐसा मुल्क जिसमें अंग्रेजों का भी दाँत खट्टा हो गया। नाहक को रुपया खराब किया। हिन्दोस्तान का आदमी लक-लक। हमारे यहाँ का आदमी बुंबक-बुंबक, तो सब मेवा टके सेर।

अथवा

''बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है जिससे हमें दुःख पहुँचा है, उस पर यदि हमने क्रोध किया और यह क्रोध यदि हमारे हृदय में टिका रहा तो वह बैर कहलाता है।

(ख) ''अमराई मेरा संकट बोध और तीव्र करती है, मेरे आतंक को और सघन बनाती है और मेरी निरन्तर रीतते जाने की प्रक्रिया को तेज देती है। मुझे जब लगता है कि अब आगे राह खो गई है, तो अमराई याद दिलाती है कि सबकी राहें खो गई हैं, हर एक रास्ते को अंधकार लील चुका है।

अथवा

बेइमानी की तरह यह थोड़ा-सा माँस मेरे उपर चिपक गया है। मेरे दुश्मनों! एक वैज्ञानिक तथ्य तुम्हारे सामने है। मैं मोटा होकर कमजोर हो गया हूँ। मेरी बदनामी उड़ाने का ऐसा सुनहरा अवसर तुम्हें कभी नहीं मिलेगा। तुम जल्दी करो। मेरा क्या ठिकाना है? मैं चार दिन बाद फिर दुबला हो जाऊँगा। तब तुम हाथ मलते रह जाओगे।

(ग) जानकी का युग इस देश में कभी नहीं मिटेगा। मैं जानकी हूँ। इस देश की कोई भी स्त्री जानकी है। जब तक हमारे भीतर जानकी का त्याग है, जानकी की क्षमा है, तब तक वही है। तुम्हारे लिए जानकी पौराणिक है, इसलिए असत्य

है। मेरे लिए वह भावगम्य है। उनके भीतर मेरी सारी समस्याएँ, सारे समाधान हैं। रात में तुम अविश्वास कर सकते हो। जानकी में अविश्वास का अधिकार तुम्हें नही है।

अथवा

हमें भी कैद में समझो, बेटी। हमारे गुनाहों ने हमें चारों तरफ से घेर रखा है। जमीर की जंजीरों ने भी हमारे हाथ-पैर बांध लिए हैं। हम अब इस दुनियाँ को आँख उठाकर भी नहीं देख सकते। जिस सल्तनत को खून से सींच-सींचकर इतना बड़ा किया है उसे अगर आँसुओं से भी सींचना चाहें तो हमें पूरी जिन्दगी चाहिए। वह हमारे पास कहाँ है? बेटी... पानी... पानी, गला सूख रहा है।

इकाई-II

2. (क) ''अंधेर नगरी तत्कालीन शासन व्यवस्था व सामाजिक व्यवस्था का जीवन्त चित्र है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए। [6]

अथवा

'अन्धेर नगरी' हास्य नाट्य-कृति में क्या उद्देश्य निहित है?

(ख) 'क्रोध' शीर्षक निबन्ध की समीक्षा कीजिए। [6]

अथवा

'बसन्त आ गया है' निबन्ध के आधार पर हजारी प्रसाद द्विवेदी की रचना शैली पर प्रकाश डालिए।

इकाई-III

3. (क) ''औरंगजेब की आखिरी रात'' एकांकी के आधार पर औरंगजेब की चारित्रिक विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए। [6]

अथवा

एकांकी के तत्वों के आधार पर 'एक दिन' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

(ख) शिल्प विधान की दृष्टि से 'मम्मी ठकुराइन' एकांकी की समीक्षा कीजिए। [6]

अथवा

भुवनेश्वर जी की प्रसिद्ध एकांकी 'स्ट्राइक' के मूल प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-IV

4. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए :

(क) राहुल सांकृत्यायन ने किन-किन विधाओं में लेखन किया है? [05]

अथवा

राहुल सांकृत्यायन की भाषा-शैली पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

(ख) ''महादेवी वर्मा की गद्य रचनाएँ एवं भाषा-शैली'' पर टिप्पणी लिखिए। [05]

अथवा

महादेवी वर्मा की प्रमुख काव्य रचनाओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) ''हबीब तनवीर ने नाटक को एक नई दिशा दी है।'' संक्षेप में लिखिए। [05]

अथवा

हबीब तनवीर के पाँच नाटकों के नाम लिखिए।

इकाई-V

5. निम्नलिखित प्रश्नों के अति लघु उत्तर लिखिए : (कोई 15) [15]

(i) नाट्य शास्त्र की रचना किसने की थी?

(ii) भारतेन्दु जी ने कौन-सी पत्रिका प्रकाशित की थी?

(iii) 'क्रोध' निबन्ध किस प्रकार का निबन्ध है?

(iv) 'सरस्वती पत्रिका' का सम्पादन किसके द्वारा हुआ?

(v) 'औरंगजेब की आखिरी रात' के लेखक का क्या नाम है?

(vi) श्री विद्यानिवास मिश्र का जन्म कहाँ हुआ था?

(vii) 'श्री चंद' किस एकांकी का पुरुष पात्र है?

(viii) 'बसंत आ गया है' निबन्ध के लेखक का नाम बताइए।

(ix) पाठ्य-पुस्तक में समाहित बाबू गुलाबराय के निबन्ध का नाम लिखिए।

(x) 'बेइमानी की परत' व्यंग्य लेख के रचनाकार का नाम लिखिए।

(xi) 'दस हजार' नामक एकांकी में किस बात का वर्णन है?

(xii) टिकट बाबू कौन है?

(xiii) अमराई से जुड़ने का अर्थ किससे जुड़ना होता है?

(xiv) राजनाथ किस एकांकी का पुरुष पात्र है?

(xv) नवजागरण का अग्रदूत किसे कहा जाता है?

(xvi) हिन्दी एकांकी के प्रमुख तत्व कितने हैं?

(xvii) हबीब तनवीर ने किस साहित्यिक पत्रिका का संपादन किया था?

(xviii) 'कमजोर प्राणियों' में भावुकता अधिक होती है' यह कथन किस निबन्ध से लिया गया है?

(xix) किस ग्रंथ पर आचार्य रामचन्द्र शुक्ल को मंगला प्रसाद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया?

(xx) 'माधव हम, परिनाम निरासा' किस निबन्ध की पंक्ति है?

----x----